पश्चिमी देशों के बाद अब भारत बना मेडिकल टूरिज्म का हब

आईआईएचएमआर में 'ग्लोबल हेल्थ एंड मेडिकल टूरिज्म' पर हुई कॉन्फ्रेंस

सिटी रिपोर्टर ▪ जयपुर

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का विस्तार हो रहा है। पुराने ढर्रे की कार्यशैली से खुद को बदलते हुए अब आधुनिक परिदृश्य मूर्तरूप ले रहे हैं। यह बदलाव हर तरह से सकारात्मक है, क्योंकि इसके परिणामस्वरूप देश प्रशिक्षित जन बल की कमी को दूर करने और जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए स्वास्थ्य के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर हो रहा है। यह कहना था राजस्थान सरकार के सेक्रेटरी (फाइनांस) डॉ. पृथ्वीराज का। का। डॉ. पृथ्वी ने ये विचार आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में गीएलओएचएमटी कॉन्फ्रेंस के दौरान रखे। 'ग्लोबल हेल्थ एंड मेडिकल टूरिज्म पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में मेडिकल प्रैक्टिशनर्स और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में विशेषज्ञ और फार्मास्युटिकल एवं संबद्ध उद्योगों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। वहीं मेडिकल टूरिज्म से जुड़े तमाम पहलुओं पर चर्चा की।

यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा, पहले पश्चिमी देशों में मेडिकल टूरिज्म काफी विस्तार ले रहा था, लेकिन अब भारत इस मामले में सबसे आगे है, वह भी मेडिकल टूरिज्म ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक हीलिंग के मामले में भी। यह तथ्य इस बात का आईना है कि हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं। यह सफलता सभी संबंधित संस्थाओं की संयुक्त कोशिशों का नतीजा है, जिसमें सरकार, मेडिकल समुदाय और दुनिया भर के नागरिक शामिल हैं, जो एक साथ मिलकर स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव को मूर्त रूप देते हैं। कॉन्फ्रेंस को योजनाबद्ध किया गया था ताकि संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जा सके।